Seat No. : _____

AK-105

April-2015

B.A., Sem.-IV

Core-213 : Hindi (Main)

मध्यकालीन हिन्दी कविता (सगुण भक्ति काव्य और रीति काव्य)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

1. सगुण भक्तिकाव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । **14**

अथवा

रामभक्ति काव्य के प्रमुख कवि के रूप में तुलसीदास का परिचय दीजिए ।

2. अष्टछाप के प्रमुख कवि के रूप में सूरदास एवं नंददास का परिचय दीजिए । **14**

अथवा

कृष्ण भक्तिकाव्य की महत्त्वपूर्ण कृत्ति के रूप में 'सुदामाचरित्' का परिचय दीजिए ।

3. रीतिकाल के नामकरण के उपयुक्तता पर प्रकाश डालिए । **14**

अथवा

संक्षेप में लिखिए :

(1) रीतिमुक्त काव्यधारा

(2) रीतिकालीन कवि-केशव

4. 'बिहारी ने शृंगार के समान ही नीति, भक्ति आदि विषय में भी छन्द कहे हैं ।' - पठित दोहों के आधार पर उत्तर दीजिए । **14**

अथवा

सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(1) अब लौं नसानी अब न नसैहौं ।
रामकृपा भवनिसा सिरानी जागे फिरि न डसैहौं ।।

(2) सोभित कर नवनीत लिए ।
घुटुरूनि चलत रेनु-तन-मंडित, मुख दधि लेप किए ।।

5. योग्य विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : **14**

(1) _____ ने उत्तर भारत में रामभक्ति की लहर चलाई । (रामानंद, ब्रह्मानंद, रामेश्वरम्)

(2) रामभक्त कवियों ने अपने और राम के बीच _____ भाव को स्वीकार किया है ।
(पिता-पुत्र, प्रिय-प्रिया, सेवक-सेव्य)

(3) _____ तुलसी की कीर्ति का सर्वोच्च शिखर है । (रामलीला, रामचरितमानस्, विनयपत्रिका)

(4) राम और कृष्ण _____ के अवतार हैं । (ब्रह्मा, विष्णु, महेश)

(5) कृष्णभक्ति काव्य में _____ भाव की भक्ति को अत्यंत महत्त्व दिया गया है ।
(दास्य, कान्ता, मातृ)

(6) मीरा की भक्ति _____ भक्ति है । (दास्य, माधुर्य, वात्सल्य)

(7) कृष्ण भक्ति काव्य में कृष्ण-कथा के नायक _____ हैं । (सुदामा, अर्जुन, श्रीकृष्ण)

(8) _____ का समय वि.स. 1700-1900 तक का माना जाता है ।
(पूर्व मध्यकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

(9) _____ निम्बार्क संप्रदाय में दीक्षित हुए । (घनानंद, रामानंद, प्रेमानंद)

(10) रीतिबद्ध कवि प्राय: _____ होते थे । (विलासी, विनोदी, शास्त्रज्ञ)

(11) 'सुजानसागर' के रचनाकार _____ हैं । (सुजान, सागर, घनानंद)

(12) _____ के काव्य की भाषा राजस्थानी मिश्रित ब्रज है । (सूर, तुलसी, मीरा)

(13) "जसोदा हरि पालनैं झुलावै" – यह पंक्ति _____ से उद्धृत है । (रामलीला, गोकुललीला, भ्रमरगीत)

(14) "नहि पराग नहिं मधुर मधु".... इस दोहे के रचनाकार _____ हैं । (मीराबाई, बिहारी, घनानंद)

_____